



**Israfil Mallick**  
**Department of History**  
**Ramsaday College**  
**Amta, Howrah**  
**Semester- II (G)**

⑩ समृद्ध गुणक जाग्राज्यवानी तिति आलोचना करें। (10)

~~प्रमाण चक्रगुणक~~ कुम्र समृद्धकुम्र प्रजातिमी सूक्ष्मासक शिखाए  
सत्ता कार्य छिलत उत्तरिक शिखाएस एसरनी छिलत स  
सावधानाली उमा जाग्राज्यवानी छानक भूष, तार प्रतिष्ठापने  
द्वयं जाग्रुलिन रात्रि जाग्राज्य परिवर्त घटाइल, तर  
साक्षिन ओ द्वार्ताति सामाजु प्रेषिते उः चिनाम तार  
‘आलि- शिखि उम्म प्रक्षिना’ ग्रनेज समृद्ध गुणक डारात्रि  
‘हास्यातिस्मात’ बलात्त, ताँर रात्रि राल साम्भारे प्रविन  
उंचानात एल तार प्राणवादि श्रियेन रुदि ‘श्वलाशवाह प्रक्षिप्ति’  
‘क्षुप्राराक्षर’ ‘ब्रजात लिपि’ प्राणि, श्रियेन तारे तात मुण्डः  
ताम्बन राल जाग्रुति रात्रेन।

■ उड्डीप-आनन्द उम्म :- सलाहानान् अलिप्ति एसके जानाम्य  
मे, तिनि प्रमाण उड्डीप आराते विभास जाहिसाने जालानिकिन  
करेन। प्रमाण तिनि ताग बृंछार तिनेन राता ज्युत  
राग, गतवति राग, ओ राजसेन श्विरो मुक्ति सायाञ्चि-  
क्षेन, एवु रामर पराजित करेन। उड्डीप आराते आराते  
मैसराले राजाका तिनि पराजिते बहरेत्रिलेन, तारा शलेन  
त्रुट्टार, नातिल, नागद्वा, नक्षिन, उद्धर्मन - बलकर्मन - प्राप्तुभ-  
र्दुर डारात्रि रामर प्रक्षेन राजाका पराजिते बारे तरह  
जाग्रुत्तुलिके तिनि कुफ सायाज्यर जाग्रुत्तु बाहेन।

■ क्षुपि आरात उम्म :- क्षुपिआरातेर आर्द्धिकि-वा उम्बन रात्-  
मूलिकाश तिनि पदानाते करेत्रिलेन। एर्ह रात्रि गुलि जाग्रुवत  
र्द्वयं प्रजातेर जाजिस्त्र, क्षुपिआर्द्धिकर देव्वलपुल ज्युवती उप्पुल,  
उड्डीप आराते एसके चालिआराते ऐंथानार पम्बके नार्दिक्षुप्तु  
रामर एल तारपराल उम्बन रात्रुगुलि पम्बराना एकान्त प्रस्त्रा-  
जन शेषिल, सामुद्रत एव एन जेजिल जधिपितिके परात्ते  
कह तिनि आर्द्धिकि राज्यामुलि निम्न सज्जाप्राप्तु बाहेन।

■ क्षुक्षिणि आरात उम्म :- क्षुक्षिणि आराते एनार्थ १२ ज्ञ राजाका  
तिनि पराजिते बहरेत्रिलेन, एरा शलेन - बोकाल रात् भरुक्षु,  
वादार्वाक्षारेर शुभ्रात, र्वोरलेर भक्तरात, क्षुक्षिणि-क्षुक्षिणि  
क्षुक्षिणि, र्वोर्द्वरेर व्यामीनत, त्रुप्तुल मूलय बिन्दुक्षु, चिक्का भृत-  
पुलामर आर्द्धिगिति, एल पम्बर गमत, बेत्तिके राप्तिकर्मन,  
जव्वानुक्षाय लीलरात, पलाक्के उप्रात, एवु देव्वरामुक्तु त्यक्तर,  
तिनि क्षुक्षिणि आराते उम्म - ब्लालु उर्ध्वास नक्षिणीरात्रुमूलिका

गुप्त राज्यालय का विषय था। इसे निर्मित होने की काम गुप्त राज्यालय का विषय था। इसे निर्मित होने की काम गुप्त राज्यालय का विषय था। इसे निर्मित होने की काम गुप्त राज्यालय का विषय था।

■ सीमांचल और उत्तराञ्चल राज्य :-> अर्द्ध ओर सिंहासनालय राज्य।  
गुप्त राज्यालय का विषय था, गोप्यप, लालिक, ब्रह्मण, लेलिक और कलिपुरुष इसी खंचाली सीमांचल राज्य का विषय था। एकाकीर्ण राज्य के लिए उत्तराञ्चल विवरण अस्त्रद्रव्य आदि विवरण जाप्यालय लेलिकी द्वारा है, जहाँ उत्तराञ्चल राज्य गुप्त राज्य, भारत, भारत, भारत, भारत और अधिकारिक।

■ बिहारी राज्य तथा प्राचीन :-> गविंदोदय लोको देवता उमा-उमा-  
शिवलिङ्गालय द्विविता देशों दोनों नामों दो लिंगदलों द्वारा उमा-उमा-  
शिवलिङ्गालय देशों दोनों नामों दो लिंगदलों द्वारा उमा-उमा-